

संपादकीय

किसी को अंदाजा नहीं था

राजनीति के मौहिर खिलाड़ी वे माने जाते हैं जिनके अगले कदम के बारे में किसी को कुछ पता नहीं होता है। किसी को भनक तक नहीं लगती है कि सरकार कब क्या और कैसे करने जा रही है। जब फैसला सामने आता है तो सब चौंक जाता है। सब कहते हैं कि हम तो इसका अंदाजा नहीं लगा पाए थे। हम सोची ही नहीं पाए थे कि मोदी सरकार एक साथ ऐसा कर सकती है। फिर एक बार मोदी सरकार ने एक साथ कई राज्यों के राज्यपाल को बल कर देश को चौका दिया है। खबरों में यह जस्तर कहा जा रहा था कि महाराष्ट्र के राज्यपाल को जाह फिसी को भवले के दूसरे को राज्यपाल बनाया थी। उसके लिए पंजाब का पूर्व सीएम अमितदर सिंह का नाम चर्चा में भी रहा। महाराष्ट्र का राज्यपाल अमितदर सिंह को नहीं बनाया गया है, उनकी जगह झारखण्ड के राज्यपाल रमेश बैंस को राज्यपाल बनाया गया है। राज्यों में अन्य जो राज्यपाल बले गए हैं, उनमें छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुमुद्धा उड़के हैं। किसी को उमोदी नहीं थी कि छत्तीसगढ़ की राज्यपाल का बदल दिया जाएगा। उन्हें बदल दिया गया है तथा उनकी जगह अंधेर के राज्यपाल का बदल दिया जाएगा। उन्हें छत्तीसगढ़ का राज्यपाल बनाया गया है। छत्तीसगढ़ की राज्य पाल को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल बले की बदले फिसी को पता है, सब अपना अपना उनमान लगा रहा है। कांग्रेस ने मैके का फायद उठाकर भाजपा पर आरोप लगाया है कि उसने राज्यपाल को हटाकर आदिवासियों का अपमान किया है। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष को बदला गया था तो भी कांग्रेस ने यही आरोप लगाया था। वहीं सीएम धूपेश वर्मा ने कहा है कि भाजपा ने राज्यपाल को अपने हिसाब से काम नहीं करने दिया। इससे पहले भाजपा के इशारे पर कांग्रेस नेता कहते थे कि राज्यपाल भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। भाजपा का कहना है कि एक आदिवासी राज्यपाल के खिलाफ कांग्रेस नेताओं ने जो टिप्पणी की है, उसके लिए कांग्रेस माफी मांगी। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के बीचों हटाया गया इसके जावाब किसी के पास नहीं है लेकिन पंथपांप को देखा जाए तो छत्तीसगढ़ में कोई भी राज्यपाल जीवन में भी राज्य में तीन साल तो पूरे हो गए थे इसलिए यह कहा जा सकता था कि उनका समय पूरा हो गया था इसलिए अन्य राज्यपालों को बदला गया तो उन्हें रुटीन में बदला गया है। उन्हें इसलिए नहीं बदला गया है कि उनका कामकाज ठीक नहीं था। एक बजह यह हो सकती है कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, उन राज्यों के राज्यपाल बदले गए हैं, इसलिए छत्तीसगढ़ की राज्यपाल भी बदली गई है। एक बजह यह ही सकती है कि राज्यपाल ने आरक्षण विधेयक को रोक दिया इससे राज्य में उनके खिलाफ जनता में नाराजगी है, कांग्रेस इस नाराजगी को राजीनीतिक फायदा न ठगा सके इसलिए राज्यपाल को राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया है। जिस तरह सीएम विधायकों को जावाब के पहले बदला जाता है, उसी तरह मोदी सरकार ने राज्यपालों को बदला है। चुनाव के पहले भाजपा राज्यों में जो कमी है उसे दूर कर लेना चाहीता है ताकि नुकसान की कोई गुंजाइश न रहे। इसके अलावा लागेंगे राज्यपाल को राज्यपाल तथा डा. बोंडी मिश्रा को लदाख का उपराज्यपाल बनाया गया है इनके अलावा जिन नए लागों का राज्यपाल बनाया गया है उनके नाम हैं, रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर अंधेर, जनरल त्रिविकार विक्रम को अरुणालंग, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिविकम, सीपी राधाकृष्णन को झारखण्ड, शिवप्रतान शुक्रल को विवाचल, गुलाब चंद्र कटारिया को अमस का राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाना भले कांग्रेस को पसंद न आ रहा हो तो लेकिन यह परंपरा तो उसी ने शुरू की थी, आगे उसे आगे बढ़ा रही है। अब्दुल नजीर राज्यपाल बनाए जाना यही था। अल्पसंख्यक को होने वाले के हैं। उन्हें राज्यपाल बनाकर भाजपा ने उस धरण को खत्म करने की कोशिश की है कि भाजपा मुसलमानों को उत्तर पद के बोया नहीं मानती है। एक बजह यह हो सकती है कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो जाते हैं, उन राज्यों के राज्यपाल बदले गए हैं, इसलिए छत्तीसगढ़ की राज्यपाल भी बदली गई है। एक बजह यह ही सकती है कि राज्यपाल ने आरक्षण विधेयक को रोक दिया इससे राज्य में उनके खिलाफ जनता में नाराजगी है, कांग्रेस इस नाराजगी को राजीनीतिक फायदा न ठगा सके इसलिए राज्यपाल को हटाकर भाजपा के हटाकर आदिवासियों का अपमान किया है। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष को बदला गया था तो भी कांग्रेस ने यही आरोप लगाया था। वहीं सीएम धूपेश वर्मा ने कहा है कि भाजपा ने राज्यपाल को अपने हिसाब से काम नहीं करने दिया। इससे पहले भाजपा के इशारे पर कांग्रेस नेता कहते थे कि राज्यपाल भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। अब जोगे का काम करने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर अंधेर, जनरल त्रिविकार विक्रम को अरुणालंग, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिविकम, सीपी राधाकृष्णन को झारखण्ड, शिवप्रतान शुक्रल को विवाचल, गुलाब चंद्र कटारिया को अमस का राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में फैसला सुनाने वाले जोगे में शामिल थे। आज अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम रियायर जिस्टिस अब्दुल नजीर का है। कांग्रेस नेता राशिद अल्ली ने अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर कहा है कि न्यायिक क्षेत्र के लोगों को राज्यपाल बनाया जाना दुभाग्यरूप है। अब्दुल नजीर ने तीन तलाक, राम मंदिर व नोटबंदी मामले में

एक नजर

जन वौपाल में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण करें: मलिक



गणियाबांद, 14 फरवरी। प्रति सप्ताह आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में आज कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जिलाधीश प्रभात मलिक ने समस्त आवेदनों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। आवेदनों में मूँछ रूप से प्रधानमंत्री आवास अवैध कब्ज विवृत आपूर्ति अतिरिक्त कमार एवं नाली निर्माण के साथ ही कुछ आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर जिलाधीश ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व व अपील प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण कर इनके समाधान सुनिश्चित करें उड़ेखनीय है।

गणियाबांद, 14 फरवरी। प्रति सप्ताह आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में आज कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जिलाधीश प्रभात मलिक ने समस्त आवेदनों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। आवेदनों में मूँछ रूप से प्रधानमंत्री आवास अवैध कब्ज विवृत आपूर्ति अतिरिक्त कमार एवं नाली निर्माण के साथ ही कुछ आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर जिलाधीश ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व व अपील प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण कर इनके समाधान सुनिश्चित करें उड़ेखनीय है।

दिल्ली के लालकिला और राजिम महोत्तम भंग में कार्ड फर्क नहीं: पुरुषोत्तम वंदाकर

राजिम, 14 फरवरी। 31 जनवरी को दिल्ली के लालकिला में प्रस्तुति देना का अवसर मिला। वहां की मचीय व्यवस्था और राजिम की खासियत में समानता नजर आई। मुझे कार्ड फर्क नहीं हैं। लग रहा है। मार्फक कलाकारों की जान होती है लग रहा है।

सौ बिल्वपत्र के बदले मिले सौ पुत्र

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



राजिम, 14 फरवरी। माघी पुत्री मेला में सोनवार को विवेची संगम में सान के बाद ऋद्धालुओं ने नदी की रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक किया। बिल्वपत्र, धूतुरा, केशरड्डी, कनरे के साथ ही दूध, दली, धी, मिश्री, शकर, शहद, सुधागर तेल, चंदन, गणगाजल समर्पित किया गया। आत्मा उतारी गई तथा अंधेर परिक्रमा किया गया। पश्चात मंदिरों में पूजा अर्चना एवं जलाभिषेक के यथोचये गये। किंवदंति के अनुसार वनवास काल के दौरान दशायु पूत्र रामचन्द्र देवी सीता के साथ महर्षि लामश से मिलने पैदल चलते हुए नदी मार्ग से पूंछे थे। चर्मास व्यतीत कर यहा उपस्थित राखसों का समूल नाश किया। इस दौरान देवी सीता संगम नदी में ज्ञान कर शिव के अराधना के लिए रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक किया। जैसे ही उन्होंने जल डाला पांच और से धारा फूट गया और उसी दिन से शिवलिंग का नाम पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव नाम पड़ा। जानकारी के मुताबिक ऐसा शिवलिंग विश्व में कहीं और नहीं मिलता। इसे विरले शिवलिंग के श्रेष्ठों में रखा गया।

सौ बिल्वपत्र के बदले मिले सौ पुत्र



श्रीमद्वारिजीलोचनमहातम्य ग्रंथ के अनुसार राजा का उम्र बीता चला जा रहा था। पुत्र की आकांक्षा से अनेक धार्मिक अनुष्ठान किये। ब्रत, उपवास, दान, स्नान इत्यादि कृत्य के बाद भी मनोकामना पूर्ण नहीं हुई। थक हारकर राजा बैठ गये। एक ब्रह्मद्वयि से मूलाकात हुए। उहोंने दण्डकारण्य निर्माण की तिथि लिया। विवेची संगम के मध्य विराजमान कुलेश्वरनाथ ज्योतिरिंग दर्शन की बात कहीं। उनके कहे अनुसार पति-पति तीन नदी के संगम पर ज्ञान किये तथा पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव का पश्चात् 100 बिल्वपत्र चढ़ाये। जिसके कारण उहों सौ पुत्रों की प्राप्ति हुई।

मंदिर तीन ओर सीढ़ियों से द्विग्राम पूंछे हुए। जैसे ही उन्होंने जल डाला पांच और से धारा फूट गया। एक ब्रह्मद्वयि का साथी शताब्दी बतायी गई। महामण्डप को पार कर गर्भगृह पहुंचा जाता है। जहां आशुतोष महादेव शिवलिंग के रूप में विराजमान है द्वितीय गर्भगृह में जगतजन्मी मां सीता स्थापित है। मंदिर के चौरांग पर विशाल पीपल का वृक्ष सुदूरता में चार चांद लगाये हुए हैं।

राम ने चतुर्मास किया व्यतीत

लोपमण्डप का आश्रम कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर से तकरीबन

